जी डी गोयनका पब्लिक स्कूल

कक्षा:नौवी (9th) **विषय:हिंदी** **प्रसंग: धर्म की आड़**

पाठ की इकाइयाँ–

प्रथम अन्विति– (इस समय देश में .....स्वाधीनता के विरुद्ध समझा जाए)

- धर्म के नाम पर उत्पात।
- कुछ चलते-पुरज़ों के द्वारा मूर्ख की शक्तियों का दुरुपयोग।
- धनियों के द्वारा गरीबों का शोषण।
- धर्म की सच्ची उपासना।

द्वितीय अन्विति : (देश की स्वाधीनता के लिए.....और आदमी बनो)

- देश की स्वाधीनता का बुरा दिन।
- महात्मा गाँधी के धर्म का स्वरूप।
- धर्म का दुरुपयोग करने वालों से तो नास्तिक ही अच्छे।

लेखक परिचय :-

गणेशशंकर विद्यार्थी का जन्म मध्यप्रदेश के ग्वालियर शहर में सन् १८९१ में हुआ। विद्यार्थी आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी को अपना साहित्यिक गुरु मानते थे। उन्हीं की प्रेरणा से आज़ादी की अलख जगाने वाली रचनाओं का सृजन और अनुवाद उन्होंने किया।विद्यार्थी के जीवन का ज्यादातर समय जेल में बीता। कानपुर में मचे सांप्रदायिक दंगे को शांत करवाने के प्रयास में उन्हें अपने प्राणों की बलि देनी पड़ी। विद्यार्थी अपने जीवन में भी और लेखन में भी गरीबों , किसानों , मज़लूमों , मज़दूरों आदि के प्रति सच्ची हमदर्दी क इज़हार करते थे। उनकी भाषा सरल , सहज , लेकिन बेहद मारक और सीधा प्रहार करने वाली होती थी।

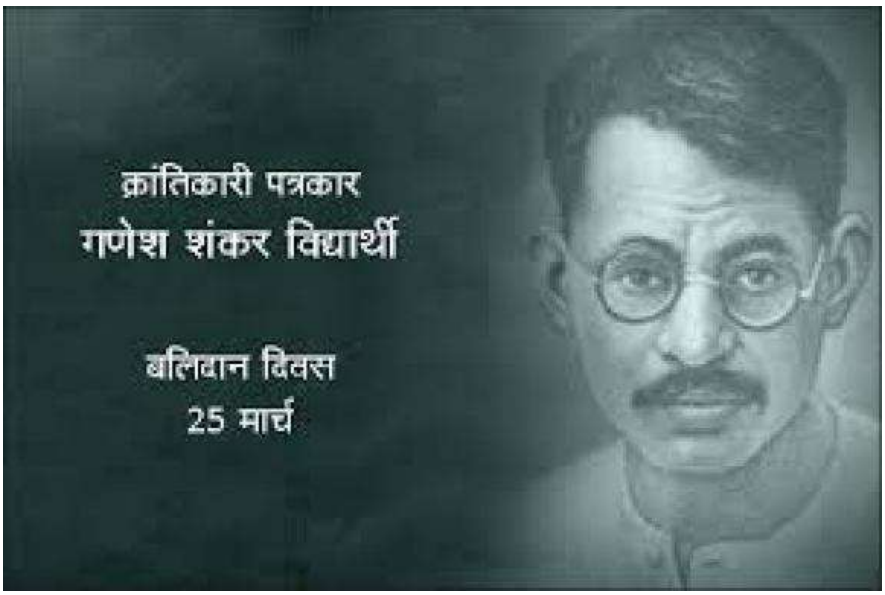

लेखक के बारे में दी गई जानकारी को अभ्यास-पुस्तिका में लिखना। इसे प्रिंट ना करे।